नकली दवाइयों के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय मुहिम

दुनिया भर में बिक रही दवाइयों में से 10 प्रतिशत तक नकली हो सकती हैं। इसके खिलाफ एक अंतर्राष्ट्रीय मुहिम ज़रूरी है क्योंकि कई सारे देश अपने दम पर इन दवाइयों को बाज़ार से बाहर करने में सक्षम नहीं हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नकली दवा निर्माताओं के खिलाफ कमर कस ली है। संगठन ने एक अंतर्राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन किया है जो नकली दवाइयों के निर्माताओं और विक्रेताओं को पहचानकर उन पर कानूनी कार्रवाई करके उन्हें बंद करवाएगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में नकली दवाइयों का विशाल बाज़ार है। एक अनुमान के अनुसार इस वक्त दुनिया भर में बिक रही दवाइयों में से 10 प्रतिशत तक नकली हो सकती हैं - ये ऐसी दवाइयां हैं जिनमें कई बार ऐसे पदार्थ होते हैं जो या तो असरहीन हैं या खतरनाक हैं। अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2010 तक इन दवाइयों का कारोबार 75 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।

नकली दवाइयों का सर्वाधिक कारोबार विकासशील देशों में

मोबाइल फोन से मौसम की जानकारी

बारिश के कारण मोबाइल के संकेतों की शक्ति में बदलाव होते हैं। मोबाइल कम्पनियों के पास ये आंकड़े उपलब्ध होते हैं। यदि ये कम्पनियां बगैर मुनाफा ये आंकड़े शोध के लिए दे, तो वर्षा के मॉडल्स को ज़्यादा सटीक बनाने में मदद मिलेगी।

मोबाइल फोन का एक नया उपयोग सामने आया है। इनकी मदद से बरसात की स्थिति का पता चल सकता है। इस्राइल के तेल अबीब विश्वविद्यालय की हैजिट मेसर और उनके साथियों ने साइन्स में प्रकाशित अपने शोध पत्र में यह सूचना दी है।

मेसर व साथियों ने पाया कि मोबाइल फोन के आधार स्टेशनों पर सिग्नल में जो उतार-चढ़ाव होते हैं उनका विश्लेषण करके यह पता लगाया जा सकता है कि किसी जगह पर कितनी बारिश हुई है। वैसे तो यह बात पहले से जानी-मानी है कि बारिश के कारण मोबाइल के संकेतों की शक्ति में बदलाव होते हैं। पानी की अलग-अलग साइज़ की बूंदें सिग्नल की अलग-अलग आवृत्तियों को प्रभावित करती हैं। यह बात इतनी जानी-मानी है कि मोबाइल कम्पनियां बारिश को देखकर अपने सिग्नल की शक्ति में फेरबदल करती हैं। मगर मेसर व उनके साथियों ने जो विशेष काम किया वह यह था कि दो आधार स्टेशनों से आने-जाने वाले मोबाइल फोन के सिग्नलों में उतार-चढ़ाव की मदद से उस इलाके में हुई वर्षा की मात्रा की गणना की और देखा कि उनकी गणना से प्राप्त आंकड़ा और वर्षा के वास्तविक मापन का आंकड़ा मेल खाते हैं।

वैसे मोबाइल के इस तरह के उपयोग कोई नई बात नहीं है। जैसे ग्लोबल पोज़ीशनिंग सिस्टम (जीपीएस) के सिग्नलों में प्रायः मौसम के कारण घट-बढ़ होती है - वातावरण में नमी व तापमान की स्थिति के अनुसार सिग्नल धीमे या तेज़ चलते हैं। इस परिवर्तन को आधार

होता है क्योंकि अक्सर इन देशों में दवाइयों के परीक्षण व निगरानी की व्यवस्था अपर्याप्त होती है। इसके अलावा कमज़ोर नियमन के चलते भी ऐसी दवाइयों की शिनाख्त नहीं हो पाती। मसलन अफ्रीका के कुछ हिस्सों में फिलहाल जो मलेरिया रोधी दवाइयां बेची जाती हैं, उनमें से शायद 50 प्रतिशत तक नकली व असरहीन हो सकती हैं।

इन सब तथ्यों के मद्दे नज़र इस तरह की अंतर्राष्ट्रीय मुहिम सचमुच ज़रूरी है क्योंकि कई सारे देश अपने दम पर इन दवाइयों को बाज़ार से बाहर करने में सक्षम नहीं हैं। इंटरनेशनल मेडिक्ल प्रॉडक्ट्स एण्टी काउन्टरफीटिंग टास्क फोर्स यानी इम्पैक्ट का गठन इसी उद्देश्य से किया गया है। इम्पैक्ट के संस्थापक हॉवर्ड ज़ुकर के मुताबिक यह टॉस्क फोर्स अपने काम में इंटरपोल, राष्ट्रों के पुलिस बलों, औषधि उद्योग के अलावा उपभोक्ता समूहों व स्वास्थ्य पेशेवरों की भी मदद लेगा।

टॉस्क फोर्स का एक प्रमुख काम तो वर्तमान में प्रचलित नकली दवाइयों पर धावा बोलने का है मगर भविष्य में इस व्यवसाय की रोकथाम के उपाय करना भी महत्व रखता है। इसके लिए टॉस्क फोर्स औषधि प्रमाणीकरण की ऐसी तकनीकों के विकास में मदद व समर्थन देगा जो असली-नकली की पहचान को आसान बनाएं। इसके अलावा उन तकनीकों का विकास भी किया जाएगा जिनकी नकल करना नकलचियों के लिए संभव न हो। ***(स्रोत फीचर्स)***

बनाकर रीडिंग विश्वविद्यालय के मौसम विभाग ने वायुमण्डलीय गणनाएं की हैं।

इसी प्रकार से किसी स्थान पर ट्राफिक जाम की स्थिति का अनुमान लगाने में भी इस बात का फायदा उठाया गया है कि किसी स्थान से कितने मोबाइल कॉल किए जा रहे हैं। और 1999 में कोसोवो में युद्ध के दौरान मोबाइल नेटवर्क में होने वाली गड़बड़ी के आधार पर यू.एस. वायुसेना का एफ-117 विमान 'देख' लिया गया था। यह ओझल विमान होता है जो राडार के पर्दे पर नज़र नहीं आता।

मेसर को उम्मीद है कि उनके अनुसंधान से वर्षा के मॉडल्स को ज़्यादा सटीक बनाने में मदद मिलेगी। मोबाइल कम्पनियां मौसम को देखकर अपने सिग्नल की शक्ति में घट-बढ़ करती ही हैं और ये आंकड़े उनके पास उपलब्ध होते हैं। यदि यह माना जाए कि ये कम्पनियां बगैर मुनाफे की अपेक्षा किए ये आंकड़े शोध के लिए दे देंगी, तो इससे बढ़िया बात और क्या होगी? ***(स्रोत विशेष फीचर्स)***